अध्याय

13

मानवीय करुणा की दिव्य चमक

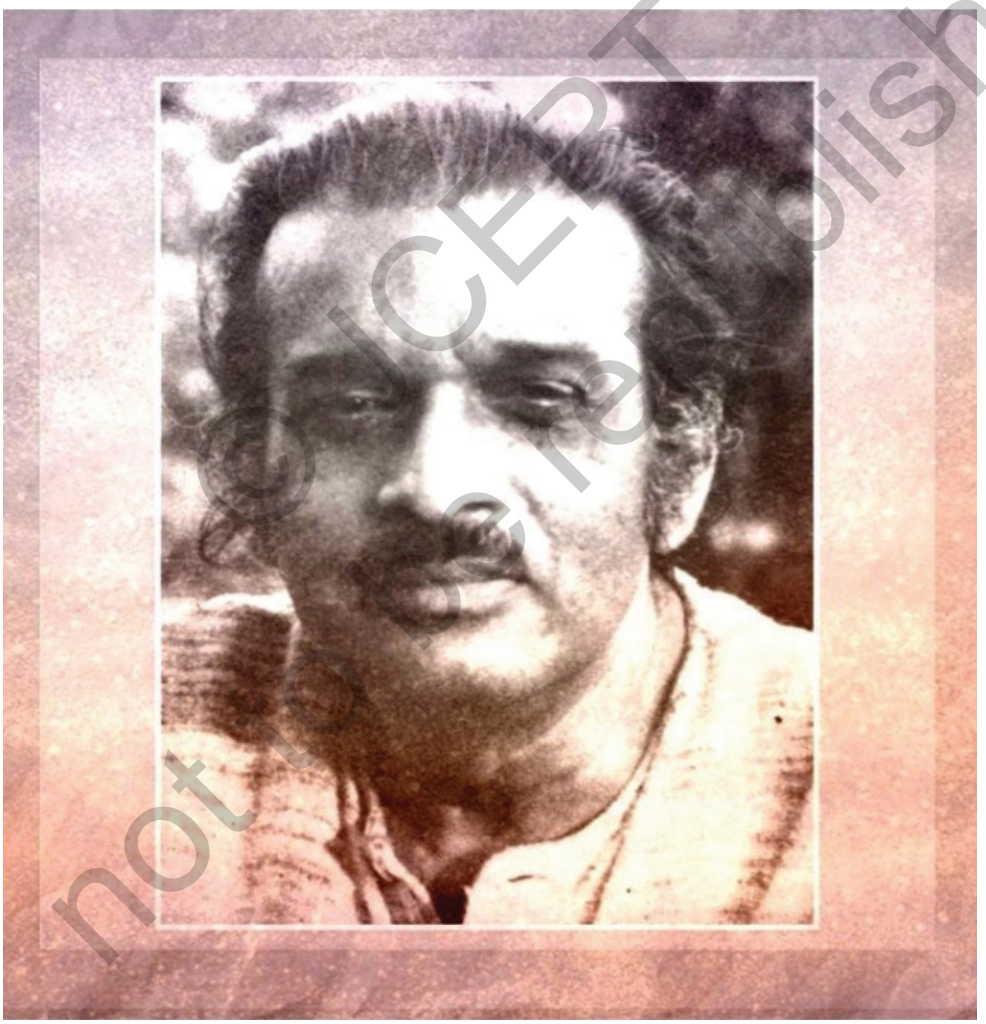

© NCERT not to be republished

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना

लेखक -परिचय

*जन्म- 15 सितंबर 1927

*जन्म स्थान - उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में हुआ था

*तीसरे सप्तक के महत्वपूर्ण कवियों में एक।

*शिक्षा - उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से हुआ।

*उप संपादक- दिनमान

*संपादक- पराग पत्रिका

साहित्यिक परिचय

काव्य संग्रह– 1. तीसरा सप्तक–सं. अज्ञेय, 1959, 2. काठ की घंटिया–1959, 3. बांस का पुल–1963, 4. एक सूनी नाव–1966, 5. गर्म हवाएँ–1966, 6. कुआनो नदी–1973, 7. जंगल का दर्द–1976, 8. खूंटियों पर टंगे लोग–1982, 9. क्या कह कर पुकारूं–प्रेम कविताएं, 10. कविताएं (1), 11. कविताएं (2), 12. कोई मेरे साथ चले, 13. मेघ आये, 14. काला कोयल,

कथा साहित्य–1.पागल कुत्तों का मसीहा (लघु उपन्यास)–1977, 2. सोया हुआ जल (लघु उपन्यास)'1977, 3. उड़े हुए रंग. –(उपन्यास) यह उपन्यास सूने चौखटे नाम से 1974 में प्रकाशित हुआ था। 4. कच्ची सड़क–1978, 5. अंधेरे पर अंधेरा–1980 6. अनेक कहानियों का भारतीय तथा यूरोपीय भाषाओं में अनुवाद। सोवियत कथा संग्रह 1978 में सात महत्वपूर्ण कहानियों का रूसी अनुवाद।

नाटक– 1. बकरी–1974 (इसका लगभग सभी भारतीय भाषाओं में अनुवाद तथा मंचन), 2. लड़ाई–1979, 3. अब गरीबी हटाओ–1981, 4. अब भात आएगा तथा हवालात–एकांकी नाटक एम.के. रैना के निर्देशन में प्रयोग द्वारा 1979 में मंचित, 5. रूपमती बाज बहादुर तथा होरी धूम मचोरी मंचन 1976।

यात्रा स्मरण– 1. कुछ रंग कुछ गंध–1971,

बाल कविता– 1. बतूता का जूता–1971, 2. महंगू की टाई–1974

बाल नाटक– 1. भों–भों खों–खों–1975ए 2. लाख की नाक–1979

संपादन– 1. शमशेर (मलयज के साथ–1971), 2. रूपांबरा–(सं. अज्ञेय जी–1980 में सहायक संपादक सर्वेश्वर दयाल सक्सेना), 3. अंधेरों का हिसाब–1981, 4. नेपाली कविताएं–1982, 5. रक्तबीज–1977

पुरस्कार– 1983 में कविता संग्रह 'खूटियों पर टंगे लोग के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया।

© JCERT not to be republished

निधन– 23 सितंबर, 1983 को नई दिल्ली में उनका निधन हो गया।

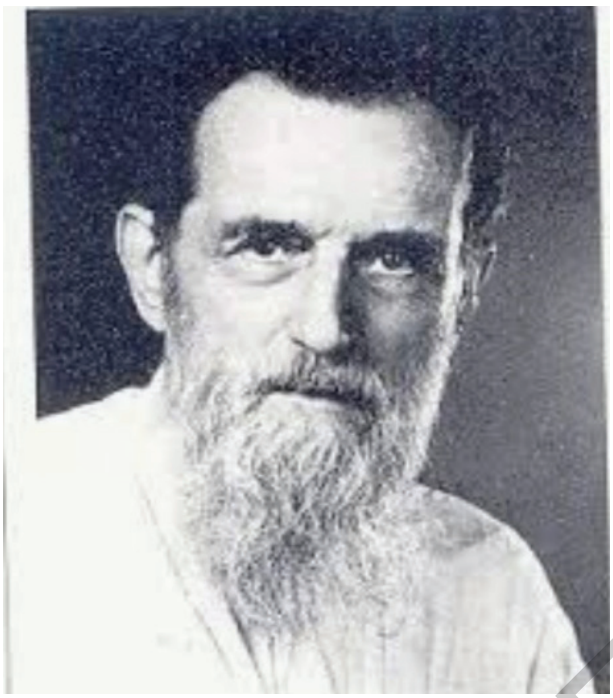

फादर कामिल बुल्के- 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक'

*'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' संस्मरण है। इसके माध्यम से लेखक सर्वेश्वर दयाल सक्सेना फादर बुल्के को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। लेखक कहते हैं फादर बुल्के एक देवदार के वृक्ष के समान थे। देवदार का वृक्ष बड़ा होता है और सब को छाया देता है। उसी प्रकार वे भी सबको आश्रय देते हैं और दुखी लोगों को सांत्वना देते थे।

*फादर बुल्के भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग थे।फादर बुल्के जन्म बेल्जियम के रेम्स चैपल में हुआ था।उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़ने के बाद पादरी बनाने की विधिवत शिक्षा ली। वे बेल्जियम से आए थे। भारतीयों के लिए उन्हें बहुत प्रेम था। भारत को अपना देश मानते थे और हिंदी भाषा से बहुत प्रेम था।उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए अनेक प्रयत्न किए।

* भारत में उन्होंने जिसेट संघ में दो साल तक पादरियों के बीच रखकर धर्मा चार की शिक्षा प्राप्त की।9-10 वर्ष दार्जिलिंग में रहकर अध्ययन कार्य किया।कोलकाता में रहते हुए बी.ए. तथा इलाहाबाद से एम.ए. की परीक्षाएं उत्तीर्ण की।हिंदी में उनका अत्याधिक लगाव रहा।उन्होंने प्रयाग विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग से सन 1950 शोध प्रबंध 'रामकथा उत्पत्ति और विकास' लिखा।

* रांची में सेंट जेवियर्स कॉलेज के हिंदी तथा संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में उन्होंने काम किया। फादर बुल्के ने मातरलिंक के प्रसिद्ध नाटक' ब्लू बर्ड' का हिंदी अनुवाद नीला पक्षी के नाम से किया था। बाइबिल का हिंदी अनुवाद तथा एक हिंदी -अंग्रेजी कोश भी तैयार किया।वे भारत में रहते हुए दो-चार ही बेल्जियम गए ।

* फादर बुल्के की मृत्यु दिल्ली में जहरबाद से पीड़ित होकर हुई।अंतिम समय में उनकी दोनों हाथ की अंगुलीयों में सूज गई थी। दिल्ली में रहकर भी लेखन को उनकी बीमारी उपस्थिति का ज्ञान न होने में अफसोस हुआ।18 अगस्त 1982 की सुबह 10:00 बजे कश्मीरी गेट निकलनसन कब्रगाह में उनका ताबूत एक नीली गाड़ी से रघुवंशी के बेटे परिजन राजेश्वर सिंह और कुछ पादरियों ने उतारा और अंतिम छोर पर पेड़ों के घनी छाया में ढके कब्र तक ले जाया गया।

*वहां उपस्थित लोगों में जैनेंद्र कुमार, विजयेंद्र स्नातक, अजीत कुमार,डॉ निर्मला

© JCERT not to be republished

जैन इलाहाबाद के प्रसिद्ध वैज्ञानिक सत्य प्रकाश,रघुवंश मसीही समुदाय के लोग और पादरी गण थे। फादर बुल्के के मृत शरीर को मसीही विधि से अंतिम संस्कार किया और श्रद्धांजलि अर्पित की।लेखक के अनुसार फादर ने जीवन भर अमृत पिलाया, फिर भी ईश्वर ने उन्हें जहरबाद द्वारा मृत्यु देकर अन्याय किय। वे लोगों के दुख सुख में शामिल होते थे।

*उनके मन में सबके लिए करुणा थी और सब के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते थे।उनकी आंखों में एक दिव्य चमक थी जिसमें असीम वात्सल्य था।लोग उन्हें बहुत प्यार करते थे और उनकी मृत्यु पर असंख्य लोगों ने दुख प्रकट किया।

मानवीय करुणा की दिव्य चमक पाठ के माध्यम से फादर जैसे मानवीय करुणा के सागर बुल्के की तरह करुणा एवं सहानुभूति पूर्वक बिहार करने का संदेश मिलता है वहीं यह भी संदेश मिलता है कि हमें अपनी मातृभूमि से प्यार करना चाहिए।

शब्दार्थ-

जहरबाद -	एक तरह का जहरीला और कष्ट साध्य फोड़ा
आस्था _	विश्वास,श्रद्धा
देहरी -	दहलीज
पादरी -	ईसाई धर्म का पुरोहित या आचार्य
धरमाचार -	धर्म का पालन या आचरण
रूपांतर -	किसी वस्तु का बदला हुआ रूप
विरल -	कम मिलने वाली
ताबूत -	शव या मुर्दा ले जाने वाला संदूक या बक्सा

© JCERT not to be republished

प्रश्न -अभ्यास

प्रश्न 1. फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी?

उत्तर- फादर बुल्के देवदार वृक्ष के समान थे।जैसे देवदार का वृक्ष विशाल और छायादार होता है, ठीक उसी प्रकार फादर बुल्के के व्यक्तित्व भी देवदार की तरह था।फादर बुल्के भी अपनी शरण में आए लोगों को आश्रय देते थे तथा दुख के समय सांत्वना के वचनों द्वारा उनको शीतलता प्रदान करते थे।उनके चेहरे और आंखों से वात्सल्य झलकता रहता था। उनके हृदय में सबके लिए कल्याण की कामना भारी थी।

प्रश्न 2. फादर बुल्के भारतीय संस्कृति की एक अभिन्न अंग है,किस आधार पर ऐसा कहा गया है ?

उत्तर-फादर कामिल बुल्के भारतीय संस्कृति की अभिन्न अंग है इसलिए कहा गया है

क्योंकि वे बेल्जियम से भारत आकर यहां की संस्कृति में पूरी तरह रच - बस गए थे। उन्होंने प्रयाग विश्वविद्यालय से 'रामकथा उत्पत्ति और विकास' विषय पर शोध प्रबंध किया।सेंट जेवियर्स कॉलेज रांची में हिंदी और संस्कृत विभागाध्यक्ष रहे। उनका हिंदी से विशेष लगाव था और हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखना चाहते थे। वे भारत को अपना देश कहते हैं और भारत की सांस्कृतिक परंपराओं को पूरी तरह आत्मसात कर चुके थे। इन सभी तथ्यों के आधार पर कहा जा सकता है कि फादर बुल्के भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

प्रश्न 3. पाठ में आए उन प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जिनसे फादर बुल्के का हिंदी प्रेम प्रकट होता है?

उत्तर-फादर बुल्के का हिंदी प्रेम प्रकट निम्नलिखित प्रश्नों से होता है

*फादर बुल्के ने हिंदी में एम. ए. किया।

*उन्होंने भारतीय संस्कृति के महानायक राम और राम कथा को अपने शोध का विषय चुना।

*प्रयाग विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में रखकर 1950 में हिंदी में अपना शोध प्रबंध 'रामकथा उत्पत्ति और विकास 'लिखा।

*उन्होंने बाइबिल और ब्लू बर्ड नामक नाटक का हिंदी में अनुवाद किया।

*उन्होंने प्रसिद्ध 'अंग्रेजी- हिंदी शब्द कोष 'तैयार किया।

*वह परिमल नामक संस्था से जुड़े हैं।

*जहां भी जाते हिंदी के प्रति प्रेम प्रकट करते हैं।

*उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए बहुत प्रयत्न किया।

प्रश्न 4. इस पाठ के आधार पर फादर कामिल बुल्के की जो छवि उभरती है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- फादर कामिल बुल्के का व्यक्तित्व सात्विक और आत्मीय था।उनकी ईश्वर के प्रति गहरी आस्था थी। ईसाई पादरी होने के कारण हमेशा एक सफेद चोगा धारण करते थे गोरा रंग सफेद झाई भूरी दाढ़ी नीली आंखें हमेशा एक मंद मुस्कान उनके चेहरे पर रहती थी।दुख से विरक्त लोगों को वे सांत्वना के दो बोल बोल कर शीतलता प्रदान करते थे।भारत देश से उन्हें बहुत प्रेम था।

प्रश्न 5. लेखक ने फादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है?

उत्तर- लेखक ने फादर कामिल बुल्के को मानवीय करुणा की दिव्य चमक इसलिए कहा है क्योंकि फादर बुल्के करुणा के साक्षात प्रतिमूर्ति है। वे सब के प्रति ममता और वात्सल्य भाव रखते थे।वे तरल हृदय के थे।वह कभी किसी से कुछ नहीं चाहते थे बल्कि दूसरे को मदद करते थे। उनका हृदय सदा दूसरे के स्नेह में पिघलता रहता था।उस तरलता की चमक उनके चेहरे पर साफ दिखाई देती थी। उनकी आंखों की चमक में असीम वात्सल्य था। किसी भी मानव का दुख उनसे देखा नहीं जाता था।उनकी कष्ट को दूर करने के लिए यथाशीघ्र प्रयास करते थे।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 6. फादर बुल्के ने सन्यासी की परंपरागत छवि से अलग एक नई छवि प्रस्तुत की है कैसे?

उत्तर-सन्यासी सांसारिक मोह माया से दूर रहते हैं।

उसे सांसारिक वस्तुओं और लोगों के प्रति कोई अनुराग नहीं होता। परंपरागत रूप से ईसाई पादरी भी संसार से अलग जीवन जीते हैं लेकिन फादर पुल के परंपरागत पादरियों से भिन्न थे। वह सन्यासी होते हुए भी अपनों के साथ गहरा लगाव रखते थे।सबके साथ बाहें फैलाकर गले मिलते थे। सब के दुख सुख में शामिल होते थे। धर्माआचरण की परवाह किए बिना अन्य धर्म वालों की उत्सव संसार के संस्कारों में उनके घर के बड़े बुजुर्ग भी शामिल होते थे। इसलिए फादर बुल्के की छवि परंपरागत सन्यासियों से अलग है।

प्रश्न 7. आशय स्पष्ट कीजिए

(क) आंखों को गिनना स्याही फैलाना है।

उत्तर- फादर बुल्के की मृत्यु पर रोने वाले की कोई कमी नहीं थी। इनकी मृत्यु पर उनके मित्र परिचय और साहित्यिक मित्र इतनी अधिक संख्या में रोए कि उनको गिनना कठिन है अर्थात बहुत लोग थे। इसलिए रोने वालों के बारे में लिखना स्याही खर्च करने जैसा था।

(ख) फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है।

उत्तर- फादर कामिल बुल्के को याद करते हैं तो उनका करुणा का साक्षात प्रतिमूर्ति और शांत व्यक्तित्व सामने आ जाता है। यह दुख एक उदास शांत संगीत की तरह ह्रदय पर एक अमिट छाप छोड़ जाता है।

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 8. आपके विचार से बुल्के ने भारत आने का मन क्यों बनाया होगा?

उत्तर-भारत सबसे प्राचीन और सबसे उन्नत सभ्यताओं में से एक रहा है। भारत की भूमि में ही वेदों,पुराणों का निर्माण और महान ऋषि -मुनियों ने जन्म लिया है।इस पवित्र भूमि पर अनेक महापुरुष जैसे वेदव्यास, चाणक्य, विवेकानंद, महात्मा बुद्ध आदि भी जन्म लेकर विश्व विख्यात हो चुके हैं। फादर बुल्के भी इस धरती के इन गुणों से और सभी महापुरुषों से प्रभावित हुए होंगे। जिससे भारत आने का मन बनाया होगा, साथ ही हिंदी भाषा उन्हें काफी प्रिय था।

प्रश्न 9. 'बहुत सुंदर है मेरी जन्मभूमि -रेम्सचैपल।' - इस पंक्ति में फादर बुल्के की अपनी जन्म भूमि के प्रति कौन -सी भावनाएं अभिव्यक्त होती है? आप अपनी जन्म भूमि के बारे में क्या सोचते हैं?

उत्तर- ' बहुत सुंदर है मेरी जन्मभूमि- रेम्सचैपल' इस पंक्ति में फादर बुल्के का अपनी मातृभूमि के प्रति असीम प्रेम 'लगाव प्रकट हुआ है। इसी लगाव के कारण उन्हें मातृभूमि सुंदर लग रही है।

मुझे भी अपनी जन्मभूमि बहुत पसंद है क्योंकि वहां मेरे बचपन की बहुत सी यादें है। इसी जन्मभूमि में बचपन बीता और पला- बढ़ा। इस भूमि ने बचपन में अपने आंचल में मुझे संरक्षण दिया और शरीर का पालन पोषण किया।

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना का जन्म कब हुआ था?

(a) 1920 ई. (b) 1927 ई.

(c) 1924 ई. (d) 1911 ई.

उत्तर-(b) 1927 ई.

प्रश्न 2. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना कौन–सा सप्तक के कवि हैं?

(a) दूसरा सप्तक (b) तीसरा सप्तक

(c) तारसप्तक (d) चौथा सप्तक

उत्तर-(c) तारसप्तक

प्रश्न 3. फादर के संस्कार किस धर्मगुरू ने किये?

(a) फादर डिसूजा

(b) फादर पास्कल तोयना

(c) फादर आंद्रे

(d) फादर निक्सन

उत्तर-(b) फादर पास्कल तोयना

प्रश्न 4. 'नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है' कथन का आशय है?

(a) रो–रो कर आँखें काली करना

(b) खूब जोर–जोर से रोना

(c) रोने वालों की संख्या का अनुमान न लगा सकना

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(c) रोने वालों की संख्या का अनुमान न लगा सकना

प्रश्न 5. फादर बुल्के की जन्मभूमि का क्या नाम था?

(a) भारत (b) वार्सा

(c) रेम्स चैपल (d) सिडनी

उत्तर-(c) रेम्स चैपल

प्रश्न 6. फादर कामिल बुल्के हिंदी को क्या बनाना चाहते थे?

(a) राजभाषा (b) राष्ट्रभाषा

(c) सम्पर्क भाषा (d) संविधान की भाषा

उत्तर-(b) राष्ट्रभाषा

प्रश्न 7. फादर को याद करना कैसा है?

(a) उदास शांति में संगीत सुनने जैसा

(b) हृदय को भाव–विभोर कर देने वाला

(c) हृदय को पीड़ा देना

(d) पापों से मुक्ति जैसा

उत्तर-(a) उदास शांति में संगीत सुनने जैसा

प्रश्न 8. परिमल किसका नाम था?

(a) एक साहित्यकार का

(b) एक पेड़ का

(c) एक साहित्यिक संस्था का

(d) एक फल का

उत्तर-(a) एक साहित्यिक संस्था का

© JCERT not to be republished

प्रश्न 9. सेंट जेवियर्स कॉलेज राँची में फादर किस पद पर रहे?

(a) कुलपति के पद पर

(b) अंग्रेजी विभा के अध्यक्ष

(c) हिंदी व संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष

(d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(c) हिंदी व संस्स्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष

प्रश्न 10. 'फादर बुल्के ने .....कोष' तैयार किया?

(a) समांतर कोश

(b) अंग्रेजी संस्कृत कोश

(c) अंग्रेजी हिंदी कोश

(d) अंग्रेजी फ्रेंच कोश

उत्तर-(c) अंग्रेजी हिंदी कोश

प्रश्न 11. लेखक अपने बच्चे के किस संस्कार के अवसर पर फादर को याद करते हैं?

(a) नामकरण संस्कार

(b) यज्ञोपवती संस्कार

(c) विद्वयारंभ संस्कार

(d) अन्नप्राशन संस्कार

उत्तर-(d) अन्नप्राशन संस्कार

प्रश्न 12. लेखक ने फादर की उपस्थिति की तुलना किस वृक्ष से की है?

(a) देवदार (b) अश्वत्थ

(c) वटवृक्ष (d) शाल

उत्तर-(a) देवदार

प्रश्न 13. फादर का अंतिम संस्कार किस विधि से किया गया?

(a) हिंदू विधि के अनुसार

(b) पारसी विधि के अनुसार

(c) मसीही विधि के अनुसार

(d) मुस्लिम विधि के अनुसार

उत्तर-(c) मसीही विधि के अनुसार

प्रश्न 14. घर के उत्सव में फादर की भू. मिका होती थी।

(a) मात्र बड़े भाई की

(b) मात्र पुरोहित की

(c) बड़े भाई और पुरोहित की

(d) मात्र छोटे भाई की

उत्तर-(c) बड़े भाई और पुरोहित की

प्रश्न 15. किसी के दुःख में फादर का व्यवहार कैसा होता था?

(a) उपेक्षित (b) आनंदपूर्ण

(c) कटु (d) सात्वनापूर्ण

उत्तर-(d) सांत्वनापूर्ण

प्रश्न 16. रिश्तों के संबंध में फादर बुल्के के क्या विचार थे?

(a) रिश्ते धागे के समान होते हैं

(b) रिश्ते टूटते रहते हैं

(c) वे रिश्ते निभाना नहीं जानते थे

(d) वे रिश्ते जोड़कर तोड़ते नहीं थे

उत्तर-(d) वे रिश्ते जोड़कर तोड़ते नहीं थे

© JCERT not to be republished

प्रश्न 17. फादर बुल्के दिल्ली आने पर किससे जरूर मिलते थे?

(a) लेखक से (b) संन्यासी से

(c) अपने मित्रों से (d) किसी से नहीं

उत्तर-(a) लेखक से

प्रश्न 18. फादर को याद करना लेखक के लिए कैसा संगीत सुनने जैसा अनुभव है?

(a) मधुर (b) कर्कश

(c) उदास शांत (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर-(c) उदास शांत

प्रश्न 19. फादर कामिल बुल्के को पद्मभूषण से सम्मानित कब किया गया था?

(a) 1972 ई.

(b)1974 ई.

(c) 1975 ई.

(d)1980 ई.

उत्तर-(b) 1974 ई.

प्रश्न 20. फादर कामिल बुल्के की रचना क्या है?

(a) रामकथा–उत्पत्ति और विकास

(b) तुलसीदास

(c) रामकथा

(d) सूरदास

उत्तर-(a) रामकथा–उत्पत्ति और विकास

© JCERT not to be republished